

मेरी विनती सुन रेवा मैया मैंने तुमको बस अपना माना  
मैं जैसा भी हूँ तेरा लाल हूँ मैं मुझे दो के मैं अब न जाना  
मेरी विनती सुन - - - - - मैं जैसा - - - - -

① ये जग है भूल भुलैया मैं यहाँ ठीर सम्म में आया  
ऐसे में आज भोली मैं चिन्ता का सागर गहराया  
हैं राह यहाँ की अजानी मेरी बाँह पकड़के ले जाना  
मैं जैसा भी - - - - - मेरी विनती सुन - - - - -

② नहीं पास मेरे कुछ भी माता-बस तेरा एक सहसा है  
ये बालक तेरा बचपन से मेरी मैं तफ्दीर का मारा है  
अब तू ही बता मैं जाऊँ कहाँ, इतना मुझको सम्म जाना  
मैं जैसा भी - - - - - मेरी विनती सुन - - - - -

③ यहाँ जान की कीमत कुछ भी नहीं-मेरी जान की चिन्ता कौन करे  
तू सबकी चिन्ता करती है मैं फिर क्यों तेरा बेटा आह भरे  
बस आकर अपने बेटे के, हृदय में साहस भर जाना  
मैं जैसा भी - - - - - मेरी विनती सुन - - - - -

④ सदियों से सुना हर माता का-बेटा ही आख के तारा है  
मेरे बेटे को केवल माता का-दिल होता बहुत प्यारा है  
मैं बेटे का पावन नाता-इसको मैं आज निभा जाना  
मैं जैसा भी - - - - - मेरी विनती सुन - - - - -

⑤ मैं तेरी अलौकिक शक्त का-दुनियाँ में एक नया है  
तू जिस पर कृपा कर दे मैं मिल जाता सहज किनारा है  
मेरी करली पड़ी भँवर में मैं "श्री बाबा श्री" को पार लगा जाना  
मैं जैसा भी - - - - - मेरी विनती सुन - - - - -